ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

प्रो. रजनीश जैन
सचिव
Prof. Rajnish Jain
Secretary

सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
**University Grants Commission**
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
**(Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)**
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
Ph :. 011-23236288/23239337
Fax : 011-2323 8858
E-mail : secy.ugc@nic.in

**अ.शा.सं.3-2/2013 (सीपीपी-II)** **21 अक्तूबर, 2019**

आदरणीय महोदय/ महोदया,

माननीय प्रधान मंत्री जी ने खादी के उपयोग तथा हथकरघा के पुनरूद्धार को काफी महत्व दिया है। महात्मा गांधी ने भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान हाथ से काते गए और हथकरघा कपड़े, खादी का उपयोग एक हथियार के रूप में किया था और इसलिए, इसे 'स्वतंत्रता की वर्दी' के रूप में भी जाना जाता है। खादी और हथकरघे का कपड़ा न केवल हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत का एक अभिन्न अंग है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को आजीविका के अवसर भी प्रदान करता है।

तद्नुसार, सभी विश्वविद्यालयों से अनुरोध है कि दीक्षांत समारोह आदि जैसे विशेष अवसरों के लिए निर्धारित समारोह परिधान के लिए खादी और/या अन्य हथकरघा कपड़े का उपयोग करने पर विचार करें। इसे आपके विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों के ध्यान में भी लाया जाए। खादी और अन्य हथकरघा कपड़े का उपयोग न केवल भारतीय होने का गौरव प्रदान करेगा, बल्कि गर्म और आर्द्र मौसम में भी अधिक आरामदायक होगा।

अनुरोध है कि समारोह परिधान के लिए खादी और/या हथकरघा कपड़े को अपनाने के लिए उपयुक्त कार्रवाई करें जिससे खादी और सूत कातने वालों एवं बुनकरों को प्रोत्साहन मिल सके।

सादर,

भवदीय,

रजनीश

**(रजनीश जैन)**

<u>सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति</u>